भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

भारतमाला

प्रगति की नई गति

मध्य प्रदेश

सड़क से आई समृद्धि

मध्य प्रदेश चार राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, महाराष्ट्र के बीच सेतुमार्ग है। पिछले चार साल में राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग में काफी विस्तार हुआ है। शहरों के बीच ट्राफिक कम करने के लिए बायपास दिए गए। सड़कों का विस्तार और चौड़ीकरण किया गया। 26,300 करोड़ की लागत वाली 69 परियोजनाओं पर तेज गति से काम हो रहा है। 8,062 किमी लंबाई वाली परियोजनाओं की विस्तृत रिपोर्ट तैयार हो रही है। मध्य प्रदेश में दो एक्सप्रेस–वे बनाए जाएंगे। जिसमें चंबल एक्सप्रेस–वे का डीपीआर लगभग तैयार हो गया है। इस एक्सप्रेस–वे के बनने से मप्र–उप्र के सीमावर्ती पिछड़े इलाकों का आर्थिक विकास तेज हो सकेगा। राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण पर 1,30,000 करोड़ खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा भारतमाला परियोजना के तहत 60,000 करोड़ का निवेश सड़क निर्माण पर किया जाएगा।

जब अच्छी सड़कों का नेटवर्क बनाया जाता है, तो देश की अर्थव्यवस्था भी गतिशील हो जाती है। सड़कें राष्ट्र की नसें और धमनियां हैं, जो विकास की गति को बदलने में मदद करती हैं और यह सुनिश्चित करती हैं कि समृद्धि हमारे देश के दूरस्थ कोने तक पहुंच सके।

नरेंद्र मोदी
प्रधान मंत्री

पिछले चार साल में हमने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 1,26,350 किमी तक बढ़ा दी है। 2014 से 2018 के बीच राजमार्ग क्षेत्र में 20% की वृद्धि आई है। पर्यटन स्थलों, सीमा क्षेत्र, आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों को जोड़ा जा रहा है। सड़क, रेल और बंदरगाह के बीच सम्पर्क बढ़ाए गए हैं। इसके माध्यम से बहुआयामी सामाजिक आर्थिक विकास के साथ लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं।

आने वाले वर्षों में हमने दुनिया के दूसरे सबसे बड़े सड़क नेटवर्क का विस्तार करने के लिए 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश वाली परियोजनाओं पर काम करने की योजना बनाई है।

नितिन गडकरी
केंद्रीय मंत्री, सड़क परिवहन, राजमार्ग मंत्रालय, नौवहन एवं जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प

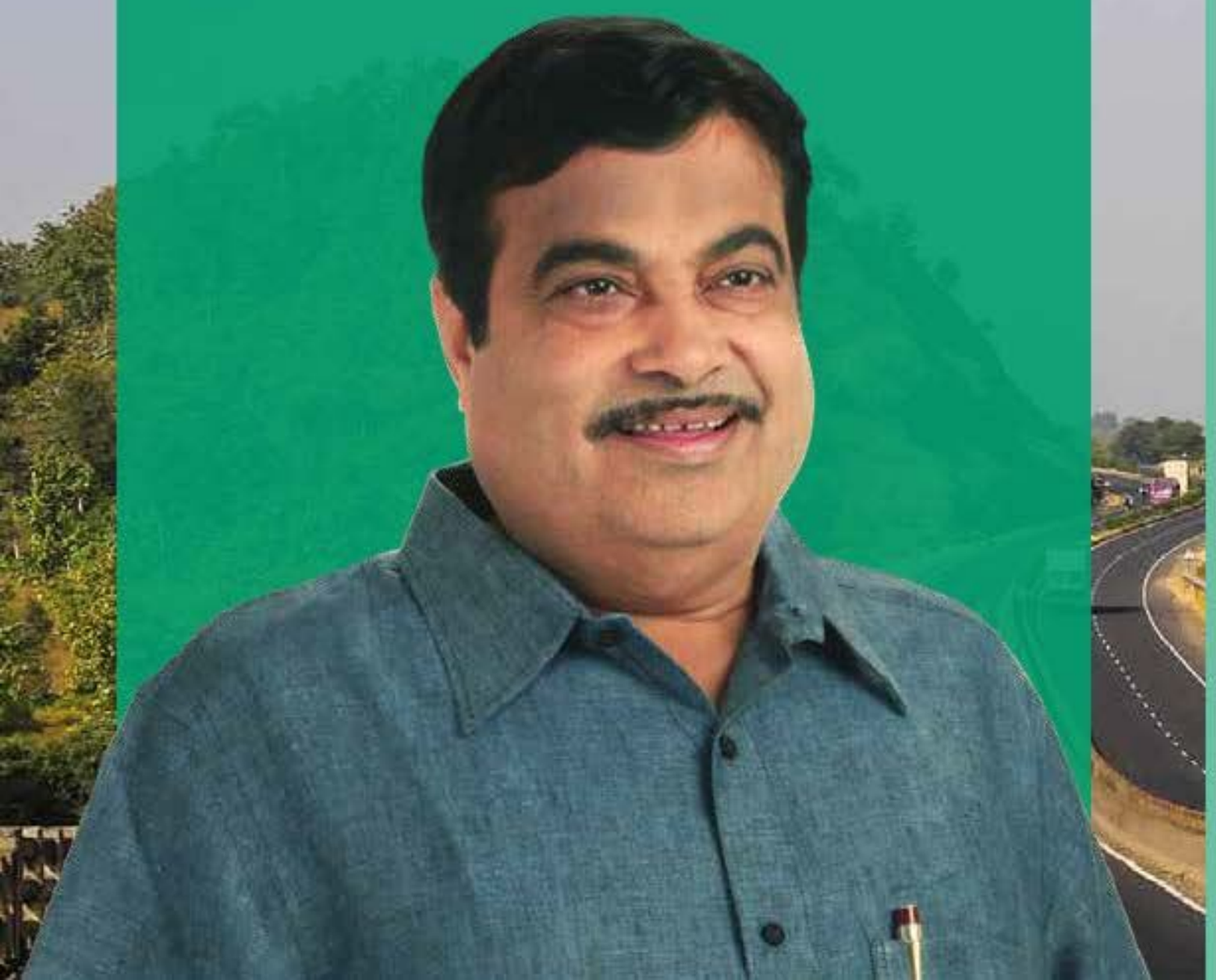

मध्य प्रदेश
तेज गति से राष्ट्रीय राजमार्ग विकास

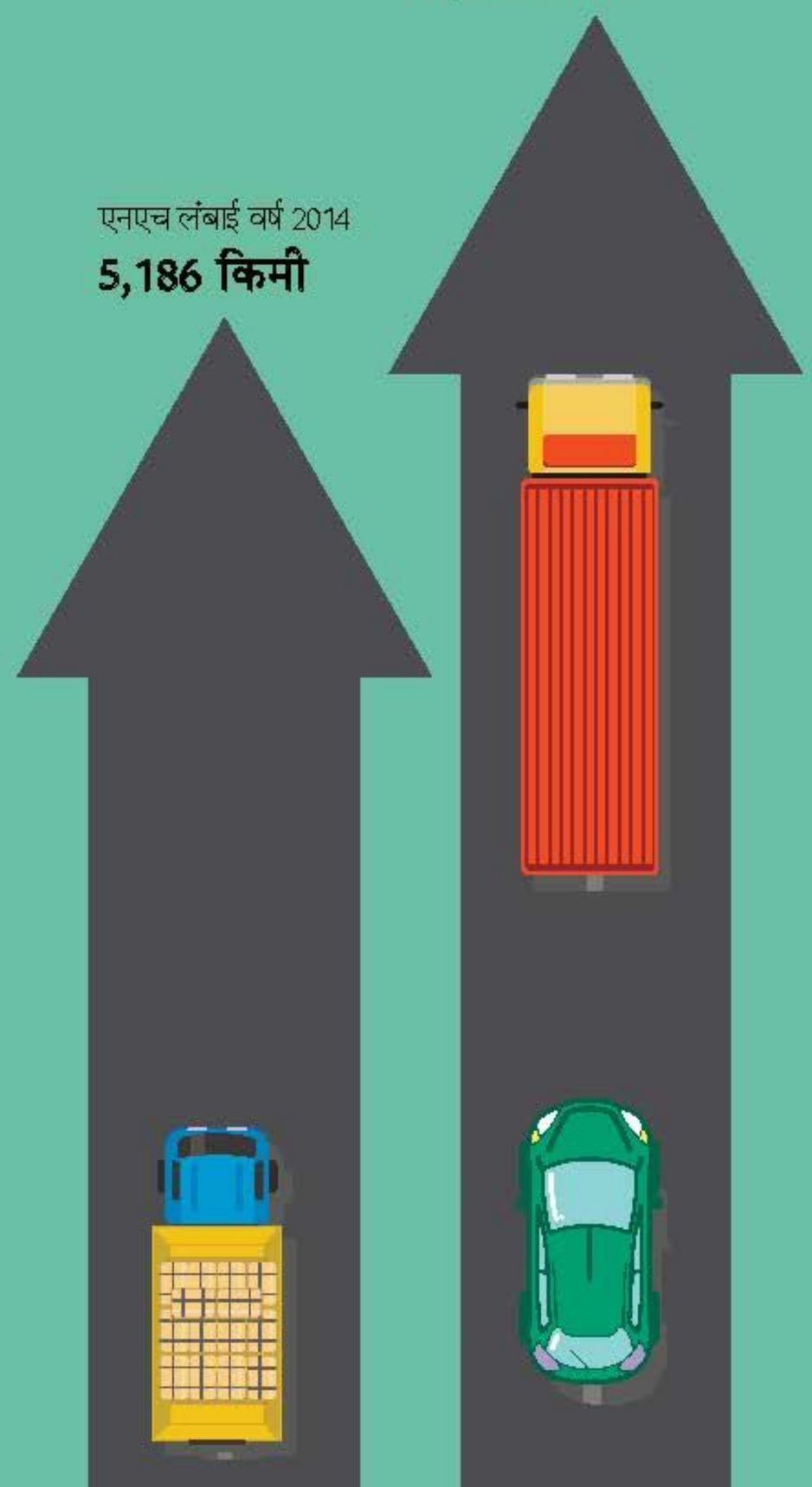

मध्य प्रदेश में नए राष्ट्रीय राजमार्ग

8,062.2 किमी

वर्ष 2014 – 2018

सैद्धांतिक मंजूरी वाले एनएच की लंबाई

मध्य प्रदेश में सड़क का निर्माण

1,326 किमी

वर्ष 2010 – 2014

निर्मित लंबाई

1,652 किमी

वर्ष 2014 – 2018

निर्मित लंबाई

4 वर्षों में 1,652 किमी राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया है।

मध्य प्रदेश में अवार्ड किए गए काम

वर्ष 2010 – 2014

2,375 किमी

कुल लागत
Rs. 11,344 करोड़

वर्ष 2014 – 2018

3,166 किमी

कुल लागत
Rs. 24,227 करोड़

मध्य प्रदेश में सेंट्रल रोड फंड के तहत त्वरित विकास

वर्ष 2010 – 2014

कुल लागत
Rs. 1,072.51 करोड़

वर्ष 2014 – 2018

कुल लागत
Rs. 4,134.54 करोड़

पिछले **4 वर्ष में 24,227 करोड़** की संभावित लागत वाले एनएच अवार्ड किए गए। जो अन्य सालों की अपेक्षाकृत 24% वृद्धि है।

सीआरएफ के तहत **73%** लागत राज्य में सड़कों और पुलों के उन्नयन और सुधार के लिए स्वीकृत की गई है।

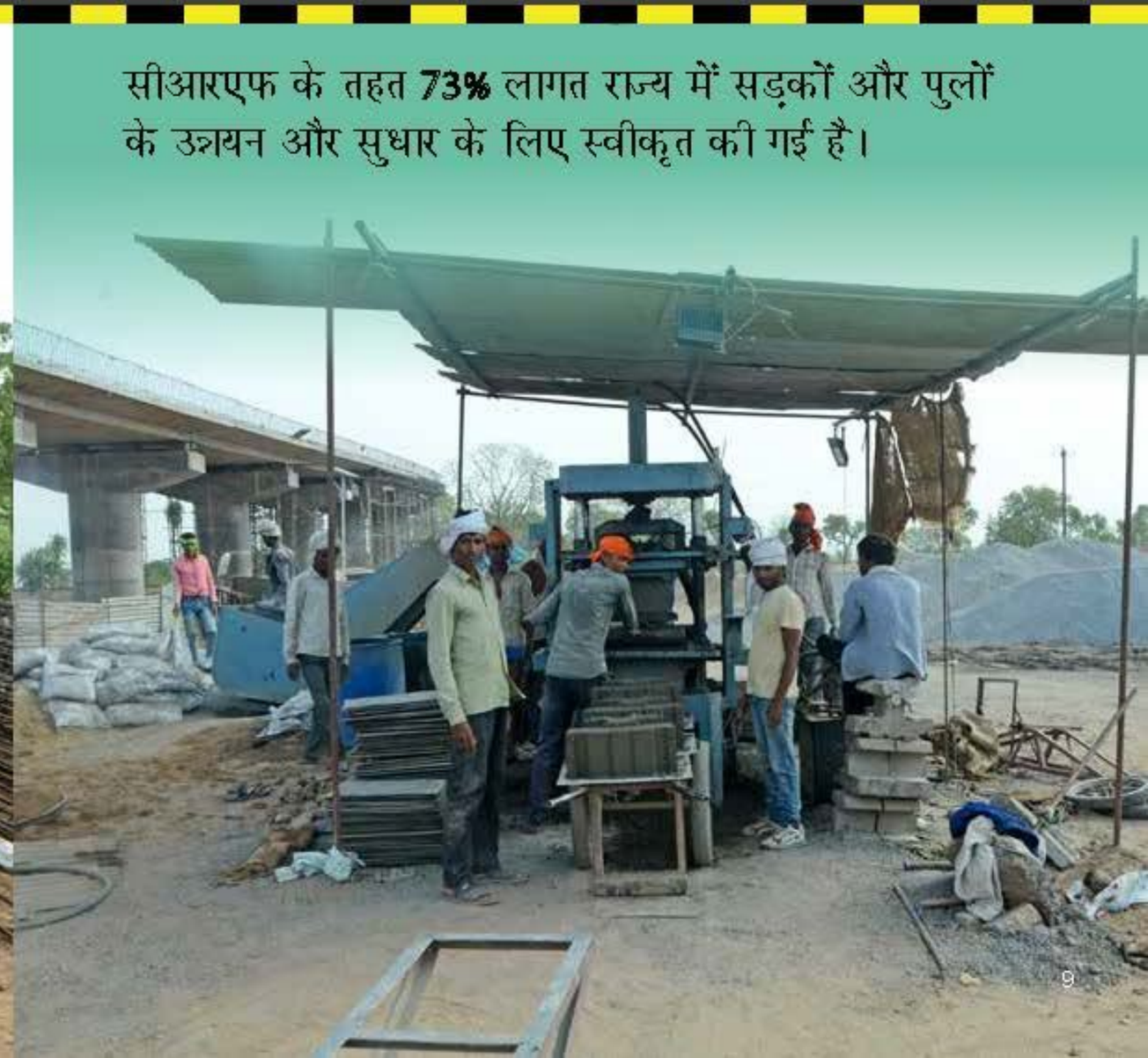

मध्य प्रदेश की प्रमुख परियोजनाएं

अटकी परियोजनाएं सुलझाई गईं

6,260 करोड़ की लागत वाली 600 किमी लम्बी 10 परियोजनाएं अटकी हुई थीं, जिन्हे सुलझा लिया गया है। 8 परियोजनाओं के कार्य शुरू हो गए हैं।

ये परियोजना हैं–

- भोपाल–ब्यावरा पैकेज– 1 (23% कार्य)
- भोपाल–ब्यावरा पैकेज– 2 (10% कार्य)
- अब्दुल्लागंज–बैतूल पैकेज– 1 (10% कार्य)
- अब्दुल्लागंज–बैतूल पैकेज– 2 (10% कार्य)
- चाकघाट– मनगवां (60% कार्य)
- गोहरगंज– भोपाल (15% कार्य)
- सतना–बेला (15% कार्य)
- बमीठा – पन्ना – सतना (10% कार्य)
- हिरन नदी से सिन्दुर नदी (जल्द शुरू होगा)
- जबलपुर से हिरन नदी (जल्द शुरू होगा)

शिवपुरी-गुना खंड

बीओटी मॉडल पर एनएच -3 के शिवपुरी-गुना खंड में एनएच की चौड़ाई 4 लेन की जा रही है। इस परियोजना में गुना बायपास की चौड़ाई भी शामिल है। यह काम 2021 में पूरा होगा। इस परियोजना के पूरा होने से यातायात का दबाव कम हो जाएगा। स्थानीय लोगों की ट्रफिक जाम की समस्या कम हो जाएगी।

एक नजर

परियोजना की कुल लंबाई -**97.7** किमी

2021 में गुना बायपास की लंबाई **12.25** किमी चौड़ी हो जाएगी

परियोजना लागत **830.36** करोड़

24 छोटे पुल

ढेरदा में फ्लाईओवर

11 पैदल अंडरपास

15.87 किमी सम्पर्क मार्ग

3 बायपास

24 बस- बे

4 ट्रक ले-बाय

गुना-ब्यावरा खंड

गुना-ब्यावरा खंड के एनएच- 3 की चौड़ाई 4 लेन की जा रही है। इस काम के पूरा होने पर चंबल से मालवा के बीच यात्रा करने वालों को फायदा मिलेगा। इससे यातायात का दबाव कम होगा और समय-ईंधन की बचत होगी।

एक नजर

93.5 किमी परियोजना की लंबाई

1012.9 करोड़ कुल परियोजना लागत

4 प्रमुख पुल

34 छोटे पुल

2 फ्लाईओवर एनएच - **12** पर

9 पैदल यात्री अंडरपास

9.8 किमी सम्पर्क मार्ग

2 बाईपास

44 बस बे

4 ट्रक ले-बाय

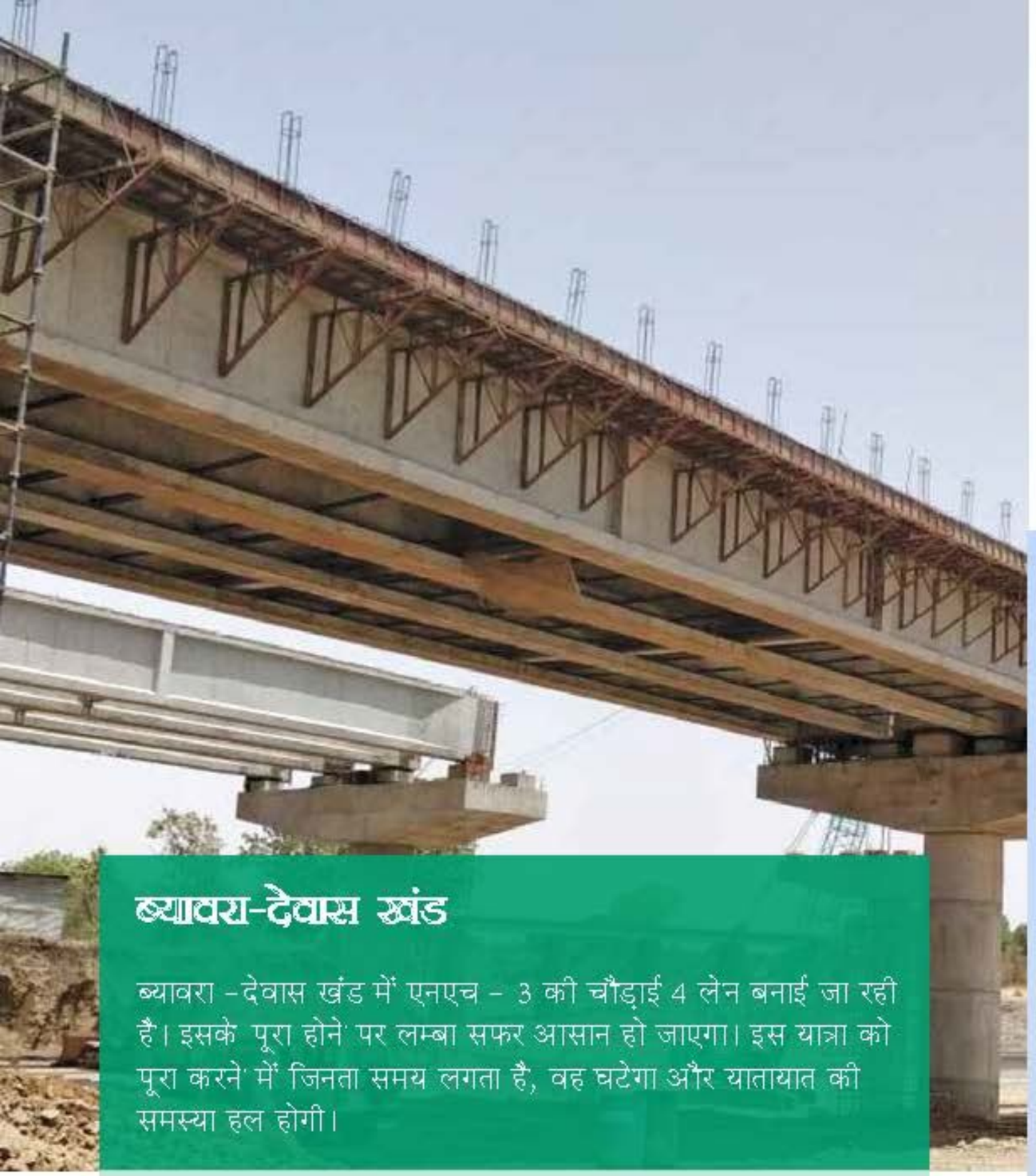

ब्यावरा-देवास खंड

ब्यावरा -देवास खंड में एनएच - 3 की चौड़ाई 4 लेन बनाई जा रही है। इसके पूरा होने पर लम्बा सफर आसान हो जाएगा। इस यात्रा को पूरा करने में जिनता समय लगता है, वह घटेगा और यातायात की समस्या हल होगी।

एक नजर

141.260 किमी परियोजना की लंबाई

1,583.7 9 करोड़ रुपए लागत

7 प्रमुख पुल

38 छोटे पुल

21 पैदल अंडरपास

13,61 किमी सम्पर्क मार्ग

3 बायपास

42 बस-बे

6 ट्रक ले-बाय

पैचोर में वाहन अंडरपास

मक्सी में आरओबी

लालघाटी-मुबारकपुर हवाई अड्डा मार्ग

भोपाल में एनएच -12 के मुबारकपुर हवाई अड्डा मार्ग खंड से लालघाटी तक सड़क को ईपीसी मॉडल पर 4 लेन किया जा रहा है। इस मार्ग के चौड़ा होने से हवाई अड्डा जाने के लिए बीच में उत्पन्न होने वाली ट्रफिक जाम की समस्या हल होगी।

एक नजर

8,275 किमी परियोजना की लंबाई

221.88 करोड़ रूपए परियोजना लागत

मुबारकपुर में बाहरी रिंग रोड पर वाहन अंडरपास

शिंगराचौली में रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी)

लालघाटी में वाहन अंडरपास

8.275 किमी सम्पर्क मार्ग

4 बस-बे और बस स्टैंड

झाबुआ खंड
इंदौर से मप्र / गुजरात सीमा

झाबुआ खंड में एनएच-59 को 4 लेन किया जा रहा है। इसके चौड़ीकरण से इंदौर के रास्ते मध्यप्रदेश से गुजरात तक पहुंचना और आसान हो जाएगा। इसका निर्माण बीओटी मॉडल पर हो रहा है।

एक नजर

155.15 किमी परियोजना की कुल लंबाई

1,175 करोड़ रूपए परियोजना लागत

2.4 किमी सम्पर्क मार्ग

घाटाबिल्लोद और नावदा पंथ में **2** फ्लाईओवर

मोहनखेड़ा गांव में वाहन अंडरपास

76 बस-बे और बस स्टैंड

ग्वालियर-झांसी खंड

82 किमी लम्बी ग्वालियर- झांसी परियोजना को कानूनी समस्याओं के कारण पहले रोक दिया गया था। उन दिक्कतों को हल करके इस परियोजना को सफलतापूर्वक पुनर्जीवित कर दिया गया है। एनएच -75 के इस खंड को बीओटी मॉडल पर 4 लेन बनाने का कार्य प्रगति पर है। अभी तक 65 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। इस मार्ग के चौड़ीकरण से मप्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। क्योंकि 2,473 करोड़ की लागत से 162 किमी लम्बा पर्यटक सर्किट विकसित किया जा रहा है। इस मार्ग के विकास होने से ग्वालियर से खजुराहो तक यात्रा करने वाले पर्यटकों को सीधे लाभ मिलेगा।

एक नजर

82 किमी कुल लंबाई

767 करोड़ रूपए लागत ग्वालियर-झांसी मार्ग की

162 किमी झांसी-खजुराहो मार्ग

2,473 करोड़ रुपए की लागत झांसी-खजुराहो मार्ग की

इंदौर बायपास

इंदौर बायपास की महती आवश्यकता को समझा गया। इसके बनने से शहर के अंदर बढ़ने वाले यातायात में बहुत कमी आएगी। इससे ट्राफिक जाम की समस्या हल होगी।

एक नजर

32 किमी लंबाई

89.76 करोड़ रुपए लागत

विशेषताएं

32 किमी सम्पर्क मार्ग अंडरपास

14 मध्यम पुल

10.56 किमी सर्विस रोड पर स्ट्रीट लाइट्स

50 किमी खुली नालियों को कवर

मंगलिया से राउ तक निर्मित 16 किमी सर्विस रोड

इंदौर बायपास पर सर्विस रोड

इंदौर-देवास खंड के एनएच -3 में इंदौर बायपास पर सर्विस रोड का निर्माण कार्य प्रगतिशील तरीके से हो रहा है।

एक नजर

32 किमी सर्विस मार्ग की लंबाई

114 करोड़ रूपए लागत

निहालपुर सब्जी मंडी रोड पर अंडरपास एवं वाहन अंडरपास

7 छोटे पुल

10.56 किमी सर्विस रोड पर स्ट्रीट लाइट्स

50 किमी खुली नाली को कवर

16 किमी का मंगलिया से राउ तक सम्पर्क मार्ग

कटनी-उमरिया खंड

एनएच -78 के कटनी-उमरिया खंड को ईपीसी मॉडल से 2 लेन पेव्ड शोल्डर बनाया जा रहा है। इस मार्ग के बन जाने के शहडोल से कटनी तक सीधा सम्पर्क तेज हो जाएगा।

एक नजर

69 किमी परियोजना की लंबाई

240 करोड़ रूपए लागत

बड़े पुल

9 छोटे पुल

रेल ओवर ब्रिज (आरओबी)

3 वाहन और पैदल अंडरपास

2.6 किमी सम्पर्क मार्ग

3 बायपास

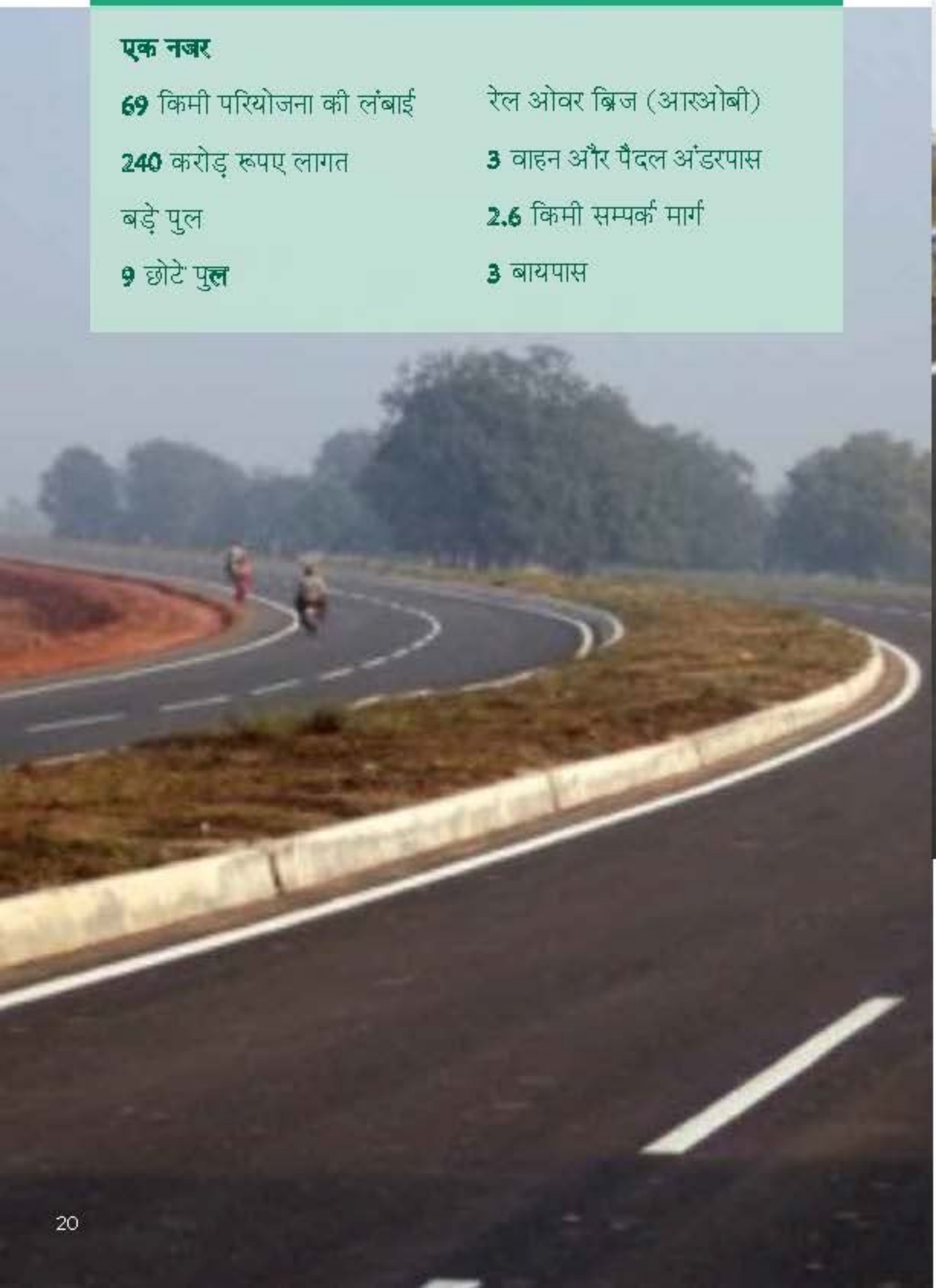

खुरई बायपास

एनएच -26 (ए) के सागर-बीना खंड पर खुरई बायपास को 2 लेन पेव्ड शोल्डम के साथ उन्नति (अपग्रेड) कर दिया गया है। यह काम जून 2017 में पूरा किया गया। इसके निर्माण से यातायात की समस्या हल हुई है।

एक नजर

9.9 किमी परियोजना लंबाई

32.9 1 करोड़ रूपए लागत

2 छोटे पुल

सागर-छतरपुर खंड

सागर-छतरपुर खंड में एनएच -86 का निर्माण ईपीसी मोड पर किया जा रहा है। इस मार्ग के बनने से पन्ना, दमोह और सतना को लाभ होगा।

एक नजर

43 किमी परियोजना की लंबाई

111.36 करोड़ रूपए लागत

2 बड़े पुल

8 छोटे पुल

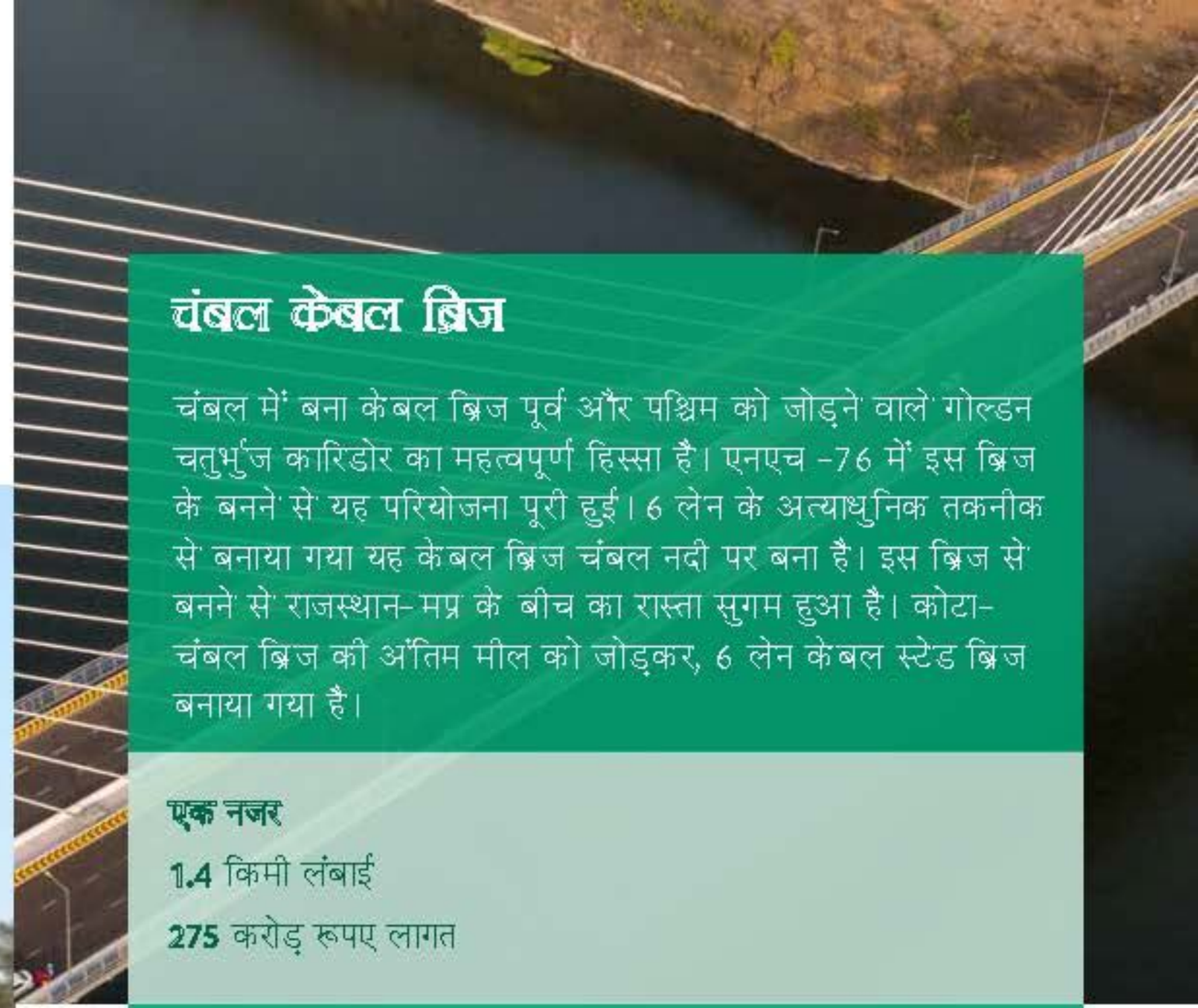

चंबल केबल ब्रिज

चंबल में बना केबल ब्रिज पूर्व और पश्चिम को जोड़ने वाले गोल्डन चतुर्भुज कारिडोर का महत्वपूर्ण हिस्सा है। एनएच -76 में इस ब्रिज के बनने से यह परियोजना पूरी हुई। 6 लेन के अत्याधुनिक तकनीक से बनाया गया यह केबल ब्रिज चंबल नदी पर बना है। इस ब्रिज से बनने से राजस्थान-मप्र के बीच का रास्ता सुगम हुआ है। कोटा-चंबल ब्रिज की अंतिम मील को जोड़कर, 6 लेन केबल स्टेड ब्रिज बनाया गया है।

एक नजर

1.4 किमी लंबाई

275 करोड़ रूपए लागत

मुख्य विशेषताएं

1. 700 मीटर लंबा केबल पुल
2. 400 मीटर पुल
3. 300 मीटर सम्पर्क मार्ग
4. 2 से 3 लेन सड़क
5. चंबल नदी से 40 मीटर सतह निकासी
6. 2.5 मीटर में ध्वनिरोधक यंत्र
7. 1.5 मीटर का फुटपाथ
8. पुल में चलने वाले वाहनों की निगरानी

लाभ

1. पूर्व-पश्चिम कारिडोर पर यातायात सुधरा
2. दुर्घटनाओं और प्रदूषण में कमी
3. एनएच -52 और एनएच -27 से आने वाले यातायात को सुविधा
4. नयापुरा, कोटा की तरफ से पुराने चंबल ब्रिज पर आने वाला यातायात कम हुआ
5. राष्ट्रीय अभ्यारण्य को ध्यान में रखते हुए ब्रिज में ढांचागत कार्य नहीं किया गया

आरओबी : विवेकानंद मार्ग

सीआरएफ के तहत रेलवे क्रासिंग नंबर-418 के निकट विवेकानंद मार्ग पर 4 लेन रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) बनाया जा रहा है।

एक नजर

967 मीटर परियोजना की लंबाई

4,280 लाख लागत

संरचना: आरसीसी सीमेंट कंक्रीट

प्रबंधन: **24** स्पैन, **15** मीटर

2 लेन, **607** मीटर आरओबी

पुल की ऊंचाई **20** मीटर

पुल की चौड़ाई **18** मीटर

1.5 मीटर चौड़ा फुटपाथ

आरओबी: तानसेन मार्ग से रेसकोर्स मार्ग

सीआरएफ के तहत रेलवे क्रासिंग नंबर-12.25 / 550-560 पर 2 लेन रेल ओवर ब्रिज बनाया जा रहा है। यह तानसेन रोड (भिंड पुलिया) और रेस कोर्स रोड के बीच बनाया जा रहा है। यह आरओबी बनने से शहर के अंदर होने वाली ट्राफिक जाम की समस्या हल होगी।

एक नजर

760 मीटर पुल की लंबाई

3,581 लाख लागत

संरचना: आरसीसी, पिलर

सुपर संरचना: आरसीसी, सीमेंट संक्रीट पिलर

प्रबंधन: **13** स्पैन, **22** मीटर: **8** स्पैन, **15** मीटर

2 लेन **326** मीटर की आरओबी

पुल की ऊंचाई **13.1** मीटर

पुल की चौड़ाई **11.9** मीटर

1.75 मीटर चौड़ा फुटपाथ

आरओबी: यादव धर्मकांटा से शताब्दीपुरम मार्ग

सीआरएफ के तहत, रेलवे क्रासिंग क्रमांक- 426 पर 2 लेन रोड ओवर ब्रिज बनाया जा रहा है। यह ब्रिज यादव धर्मकांटा से शताब्दीपुरम मार्ग के बीच बनेगा।

एक नजर

763 मीटर पुल की लंबाई

2,073 लाख रूपए लागत

फाउंडेशन पिलर

संरचना आरसीसी सीमेंट कंक्रीट

आरओबी मालगा गेट से भदरौली मार्ग

सीआरएफ के तहत मालगा गेट (हजीरा पुलिस स्टेशन) से भदरौली मार्ग के बीच रेलवे क्रॉसिंग क्रमांक-427 पर 2 लेन रोड ओवर ब्रिज बनाया जा रहा है।

एक नजर

365 मीटर 2 लेन आरओबी

पुल की ऊंचाई **10.70** मीटर ऊंचाई

पुल की चौड़ाई **12** मीटर

पुल की लंबाई **763** मीटर

2,370 लाख लागत

सुपर संरचना:आरसीसी बीम एवं आरसीसी पिलर

प्रबंधन: **8** स्पैन, **22** मीटर और **10** स्पैन **15** मीटर

1.75 मीटर चौड़ा फुटपाथ

चंबल एक्सप्रेस-वे

चंबल एक्सप्रेस-वे की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो रही है। इसमें लगभग 5,000 करोड़ खर्च होने की संभावना है। चंबल नदी के समानांतर 300 किमी बीहड़ों से होते हुये चंबल एक्सप्रेस-वे बनाना प्रस्तावित है। एक्सप्रेस-वे में दोनों ओर लॉजिस्टिक पार्क, औद्योगिक केन्द्र, कृषि उत्पाद केन्द्र, खाद्य प्रसंस्करण केन्द्र, स्मार्ट सिटीज, शिक्षा केन्द्र, रिसॉर्टस एवं मनोरंजन केन्द्र प्रस्तावित हैं।

दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे

मध्य प्रदेश से दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे गुजरेगा। दिल्ली से मुम्बई तक बनने वाला एक्सप्रेस-वे मंदसौर,रतलाम से होकर जाएगा। राजस्थान से आकर मप्र में 250 किमी एक्सप्रेस-वे बनेगा। इससे मालवा क्षेत्र के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। अनुमान ये है कि इस एक्सप्रेस-वे के बनने से इंदौर, उज्जैन के रास्ते दिल्ली की दूरी कम हो जाएगी।

मप्र में भारतमाला परियोजनो

भारतमाला परियोजना के तहत मध्य प्रदेश में 60,000 करोड़ की लागत से 4,845 किमी लम्बी सड़क बनाने की योजना है।

सागर -वाराणसी - 332 कि.मी,
सागर-लखनऊ - 233 कि.मी.
इन्दौर - नागपुर - 402 कि.मी.
दाहोद-इन्दौर-भोपाल-सागर - 597 कि.मी.

राजमार्ग विलेज (वे-साइड एमेनिटी)

मध्य प्रदेश में 18 स्थानों पर वे-साइड एमेनिटी बनाने का प्रस्ताव है। एनएच-7 में सिवनी जिले के ग्राम गोरखपुर में एक वे-साइड एमेनिटी तैयार है, जिसे शीघ्र ही एनएचएआई द्वारा शुरू किया जाएगा । 4 स्थानों में बुदनी, शाहपुर, टकनेरा, बरखेड़ाखुर्द, भाटखेड़ी पर निर्माण कार्य जारी है।

9 स्थानों में पीथमपुर, घामनोद, मोहगाँव, सुभाषपुरा में जमीन अधिग्रहण किया जा चुका है। तथा 4 स्थानों कोलारस, शिवपुरी, रायसेन में जमीन अधिग्रहण किया जाना बाकी है।

खुर्द में 90 करोड़ की लागत से सीआरएफ के तहत 2 परियोजनाएं

नाम	कुल लागत (करोड़ रुपये में)	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	विशेषताएं
खुर्द-पिपला-कम्पेल-खुदेल-शामली चाओ-तिलोनिया में सीमेंट कंक्रीट रोड का निर्माण	70.55	40.86	सीमेंट कंक्रीट रोड बनने से तिलाउर खुर्द, तिलौर, पिपला कम्पेल, पवडी, काजी पलासिया, खुदेल खुर्द, मंडला जटाकरन, अनग्या, गरिया, शामली चाओ और देवास जिले के तिलोनिया सहित सभी गांवों को फायदा होगा।
खंदेल-सेमेलिया-रईमाल-शाहदेव-खड़िया-मोरोदत्त -निमावर तक सीमेंट कंक्रीट रोड का निर्माण	19.04	12.13	खंदेल-सेमेलिया-रईमाल-शाहदेव-खड़िया-मोरोदत्त-निमावर गांवों को फायदा होगा।

मध्य प्रदेश में चल रही परियोजनाएं

परियोजनाओं की कुल लंबाई 1,604.04 किमी
रुपये 10,462.06 करोड़ कुल लागत

क्रम संख्या	लोकसभा क्षेत्र	परियोजना नाम	एनएच	स्वीकृत लागत / टीपीसी (रु. करोड़ में)	कुल लंबाई (किमी)	कार्य आरंभ की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
1	सीधी	सीधी से सिंगरौली 4 लेन पेव्ड शोल्डर	75 विस्तार	954.43	102.6	सितबर-13	दिसबर-18
2	रीवा	मनगवां मप्र एवं उप्र सीमा 4 लेन पेव्ड शोल्डर	27	410.72	52.07	नवबर-17	मई-19
3	जबलपुर, मंडला	बरेला से मंडला खंड तक पैकेज- उन्नति (अपग्रेट) 2 लेन पेव्ड शोल्डर	12ए	390.51	63.55	दिसबर-15	दिसबर-18
4	खजुराहो, शहडोल	कटनी से उमरिया खंड पैकेज- ।। उन्नति (अपग्रेट) 2 लेन पेव्ड शोल्डर	78	377.83	69.1	जुलाई-15	अगस्त-18
5	शहडोल	उमरिया से शहडोल खंड तक पैकेज-2 उन्नति (अपग्रेट) 2 लेन पेव्ड शोल्डर	78	511.83	73.1	अगस्त-15	अक्टूबर-19
6	जबलपुर	जबलपुर से हिरन नदी तक उन्नति (अपग्रेट) 4 लेन पेव्ड शोल्डर	12	628.45	55.600	जनवरी-18	जनवरी-20
7	होशंगाबाद	सिंधूर नदी से बरेली बायपास तक उन्नति (अपग्रेट) 4 लेन पेव्ड शोल्डर	12	809.16	63.00	जुलाई-16	फरवरी-19
8	होशंगाबाद	बरेली से गोहरगंज तक उन्नति (अपग्रेट) 4 लेन पेव्ड शोल्डर	12	877.790	59.750	जून-17	जून-19
9	विदिशा, भोपाल	गोहरगंज से भोपाल के अब्दुल्लागंज तक उन्नति (अपग्रेट) 4 लेन पेव्ड शोल्डर	69	957.540	48.710	फरवरी-18	फरवरी-20
10	राजगढ़	खिलजीपुर-जीरापुर खंड में सड़क पुनरूद्धार एवं उन्नति 2 लेन पेव्ड शोल्डर	752 बी	101.61	25.180	मार्च-18	सितबर-19
11	राजगढ़, गुना	लचीले फुटपाथ के साथ सड़क का उन्नयन मकसूदनगंज खंड पर 2 लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण	752 बी	254.17	41.900	मई-18	नवबर-19
12	खरगोन	फुटपाथ के साथ सड़क का उन्नयन अंजड़-ठीकरी मार्ग पर 2 लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण	347 बी	249.05	34.700	मार्च 18 पर समझौता	18 माह
13	राजगढ़, शाजापुर	सुजालपुर शहर के अंदर लचीला मार्ग एवं सुजालपुर रोड पर 2 लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण	752 सी	184.62	39.810	मई-18	नवबर-19
14	शाजापुर, भोपाल	आष्टा-सुजालपुर मार्ग का उन्नयन एवं 2 लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण	752 सी	235.91	44.340	मई-18	नवबर-19

मध्य प्रदेश में चल रही परियोजनाएं

परियोजनाओं की कुल लंबाई 1,604.04 किमी

रुपये 10,462.06 करोड़ कुल लागत

क्रम संख्या	लोकसभा क्षेत्र	परियोजना नाम	एनएच	स्वीकृत लागत / टीपीसी (रु. करोड़ में)	कुल लंबाई (किमी)	कार्य आरंभ की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
15	खजुराहो	अमानगंज में केन नदी के पास से लचीला फुटपाथ निर्माण एवं अमानगंज-कटनी पवई मार्ग पर 2 लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण	43 विस्तार	143.05	34	मई-18	जून-19
16	खजुराहो	मौजूदा इंटरमीडिएट लेन लचीला फुटपाथ के पुनर्वास और उन्नयन के साथ 2 लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण के साथ लचीला फुटपाथ चंदिया घाट से कटनी बायपास तक एलायमेंट, गुलगंज - अमांगंज - पवई - कटनी रोड तक	43 विस्तार	169.63	45.950	एल ओ ए तारीख मार्च 18	18 माह
17	विदिशा, गुना	मौजूदा इंटरमीडिएट लेन लचीला फुटपाथ के पुनर्वास और उन्नयन के साथ 2 लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण मकसूदनगंज से सिरोंज शहर तक	752 बी	279.44	56.160	मई -18 पर समझौता	18 माह
18	भिंड	मिहोन बायपास पर 2 लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण के साथ सड़क का उन्नयन, लाहर बायपास की शुरूआत और मिहोन और लाहर शहर में सीमेंट कंक्रीट मार्ग	552 विस्तार	133.18	33.700	मई-18	नवबर-19
19	भिंड	दबोह-भेंडर-उप्र सीमा बायपास से भेंडर बायपास की शुरूआत और भेंडर बायपास के अंत में उप्र के लिए रू लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण दो लेन फुटपाथ और सड़क का उन्नयन सीमेंट कंक्रीट	552 विस्तार	233.04	47.630	मई-18	नवबर-19
20	रीवा	ईपीसी मोड में रीवा-सिरमौर खंड में रू लेन पेव्ड शोल्डर सड़क का निर्माण, फुटपाथ उन्नयन	135 बी	162.56	36.710	जून-18	दिसबर-19
21	सतना, खजुराहो	ईपीसी मोड पर पवई-सलेहा-जसो-नागौद खंड पर 2 लेन पेव्ड शोल्डर सड़क का निर्माण, इंटरमीडिएट लेन, फुटपाथ का उन्नयन	943	214.69	69.430	मइ-18	नवबर-19
22	सतना	ईपीसी मोड में सतना-बेला खंड में 4 लेन पेव्ड शोल्डर	75	392.33	47.040	मई-18	मई-20
23	सतना, खजुराहो	ईपीसी मोड में बमीठा-सतना खंड में 2 लेन पेव्ड शोल्डर	75	191.21	97.840	मई-18	नवबर-19

मध्य प्रदेश में चल रही परियोजनाएं

परियोजनाओं की कुल लंबाई 1,604.04 किमी

रुपये 10,462.06 करोड़ कुल लागत

क्रम संख्या	लोकसभा क्षेत्र	परियोजना नाम	एनएच	स्वीकृत लागत / टीपीसी (रु. करोड़ में)	कुल लंबाई (किमी)	कार्य आरंभ की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
24	महोबा, हमीरपुर	एचएल पुल का निर्माण 188/4 6 22.5 सी / सी	86	9.57	22.5 सी / सी के 6 अवधि	अप्रैल-15	जून-18
25	सागर	भोपाल-सांची-सागर मार्ग पर ईपीसी मोड पर धसन नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण। 11 मीटर (पुराना) तथा 13 मीटर का (नया)	86 विस्तार	16.68	18.00 मीटर की 13 अवधि। (नया)	नवबर-15	दिसबर-18
26	विदिशा	इंदौर-बेतूल खंड में 2 लेन पेव्ड शोल्डर सड़क का निर्माण	59 ए	77.96	15.00	जुलाई-16	जुलाई-18
27	सागर, दमोह	सागर-छतरपुर मार्ग पर मप्र-उप्र सीमा तक 29 पुलिया और छोटे पुल का निर्माण	एनएच-86 (नया एनएच--934)	39.73	-	नवबर-16	नवबर-18
28	बेतूल	बेतूल-करणजी नल्लाह मार्ग पर इंदौर में पुल और पुलिया का पुनर्निर्माण	59 ए	14.71	-	अक्टूबर-16	जून-18
29	सागर, विदिशा	ईपीसी मोड पर सांची-सागर मार्ग पर 2 लेन पेव्ड शोल्डर सड़क का निर्माण एवं 7 पाइप वाली पुलिया, 1 छोटा पुल तथा 1 बड़े पुल का निर्माण	86 विस्तार	287.34	90.34	जनवरी-17	जनवरी-19
30	दमोह	ईपीसी मोड पर सागर-छतरपुर मार्ग पर 2 लेन पेव्ड शोल्डर सड़क का निर्माण	86	178.23	44.70	जनवरी-17	सितबर-18
31	टीकमगढ़ छतरपुर	झांसी-हरपालपुर-मिर्जापुर मार्ग पर 2 लेन पेव्ड शोल्डर सड़क का निर्माण	76	33.50	12.18	अप्रैल-17	जून-18
32	सागर	सागर-बीना मार्ग पर पुल, पुलिया के साथ 2 लेन पेव्ड शोल्डर सड़क का निर्माण	26 ए	68.27	18.59	अप्रैल-17	अगस्त-18
33	सागर	ईपीसी मोड पर सागर-बीना मार्ग पर पुल, पुलिया के साथ 2 लेन पेव्ड शोल्डर सड़क का निर्माण	26 ए	205.05	48.70	अप्रैल-17	अप्रैल-19
34	बेतूल, होशंगाबाद	ईपीसी मोड पर इंदौर-बेतूल मार्ग पर पुल, पुलिया के साथ 2 लेन पेव्ड शोल्डर सड़क का निर्माण	59 ए	373.82	81.60	सितबर-17	सितबर-19
35	सीधी	बरगवां बायपास के लिए 2 लेन कठोर फुटपाथ के साथ मार्ग सुधार का काम	75 विस्तार	32.61	7.55	सितबर-17	अगस्त-18

मध्य प्रदेश में चल रही परियोजनाएं

परियोजनाओं की कुल लंबाई 1,604.04 किमी

रुपये 10,462.06 करोड़ कुल लागत

क्रम संख्या	लोकसभा क्षेत्र	परियोजना नाम	एनएच	स्वीकृत लागत / टीपीसी (रु. करोड़ में)	कुल लंबाई (किमी)	कार्य आरंभ की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
36	सतना	ईपीसी मोड पर सतना-बेला खंड में 2 लेन पेव्ड शोल्डर सड़क का निर्माण	75	36.95	5.00	अगस्त-17	सितबर-18
37	सतना	सज्जनपुर बायपास के लिए 2 लेन वन टाइम इम्प्रूवमेंट के तहत काम	75	29.85	7.00	सितबर-17	अगस्त-18
38	रीवा	गंगेव बायपास के लिए 2 लेन वन टाइम इम्प्रूवमेंट के तहत काम	27	13.96	3.02	फरवरी-18	अगस्त-18
39	रीवा	सोहागी बायपास के लिए 2 लेन वन टाइम इम्प्रूवमेंट के तहत काम	27	3.44	0.70	मार्च-18	जून-18
40	जबलपुर	जबलपुर बायपास के लिए 2 लेन वन टाइम इम्प्रूवमेंट के तहत काम	12 ए	57.87	12.20	अगस्त-17	अक्टूबर-18
41	सागर	भोपाल-सांची-सागर मार्ग पर 2 से 4 लेन का निकास मार्ग एवं सागर शहर में पुल-पुलिया का निर्माण	86 विस्तार	65.20	11.60	फरवरी-18	जून-19
42	सागर	ईपीसी मोड पर मकरोनिया में रेल क्रासिंग के पास 2 लेन आरओबी का निर्माण	86	36.26	आरओबी लंबाई = 1,405 मीटर। अवधि = 101.60 मीटर रेलवे भाग 255 मीटर एनएच भाग दृष्टिकोण = छतरपुर साइड- 527.343 मीटर सागर साइड- 466.057 मीटर		
43	सागर	सागर-छतरपुर खंड में सागर शहर में पुल-पुलिया निर्माण के अलावा मौजूदा सड़क को 2 लेन से 4 लेन में परिवर्तित किया जा रहा है	86	18.31	3.99	अप्रैल-18	अप्रैल-19
		कुल		**10,462.06**	**1,604.04**		

मध्य प्रदेश में एनएचएआई की चल रही परियोजनाएं

क्रम संख्या	लोकसभा क्षेत्र	परियोजना नाम	एनएच	स्वीकृत लागत / टीपीसी (रु. करोड़ में)	कुल लंबाई (किमी)	कार्य आरंभ की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
1	भोपाल और राजगढ़	भोपाल-ब्यावरा पैकेज-2	12	511.88	97.32	जनवरी-18	जनवरी-20
2	भोपाल	मुबारकपुर से लालघाटी का बकाया कार्य	12	221.88	8.28	नवबर-17	नवबर-19
3	होशंगाबाद और विदिशा	ओबैदुल्लागंज से इटारसी	69	991	46	नवबर-17	नवबर-19
4	होशंगाबाद और बैतूल	इटारसी- बैतूल	69	589.53	74	फरवरी-18	अगस्त-20
5	भोपाल और विदिशा	भोपाल-सांची 2-लेन पेव्ड शोल्डर बकाया कार्य	86 (विस्तार)	167.2	53.77	जनवरी-17	जनवरी-19
6	टीकमगढ और झांसी	झांसी- खजुराहो पैकेज-1	75 और 76	976.62	76.61	मई-18	नवबर-20
7	टीकमगढ और खजुराहो	झांसी- खजुराहो पैकेज-2	75 और 76	931.79	85.4	फरवरी-18	अगस्त-20
8	गुना और राजगढ़	गुना- ब्यावरा	3	1013	93.5	जुलाई-16	मार्च-19
9	गुना	शिवपुरी-गुना पैकेज-1	3	760	85.31	जनवरी-18	जून-18
10	मुरैना	लाईओवर मुरैना	3	76.92	1	मार्च-18	मार्च-20
11	वालियर	च्सिमरिया टेकरी-हरिपुर तिराहा-जमसावली	75	67.27	10.3	अवार्ड	-
12	वालियर, दतिया और झांसी	वालियर-झांसी	75	418	82	अवार्ड होना बाकी	-
13	इंदौर और देवास	इंदौर-देवास	3	325	45.05	नवबर-10	जुलाई-18
14	इंदौर	इंदौर-देवास पर सड़क मार्ग	3	114	32	दिसबर-17	दिसबर-19
15	देवास-शाजापुर और राजगढ़	ब्यावरा-देवास	3	1584	141.26	जुलाई-16	जनवरी-19
16	इंदौर, धार और झाबुआ	च्इंदौर - झाबुआ गुजरात / मप्र सीमा	59	1175	155.15	अक्टूबर-10	नवबर-18
17	जबलपुर और मंडला	जबलपुर-लखनादौन	7	743	80.82	जून-15	जुलाई-18
18	मंडला	च्लखनादौन-सिवनी का बकाया कार्य	7	59	9.24	अक्टूबर-16	अप्रैल-18
19	रीवा और सतना	रीवा- कटनी-जबलपुर - पैकेज-1	7	622	69.19	जून-15	मई-18
20	सतना और खजुराहो	रीवा- कटनी- जबलपुर-पैकेज-2	7	622	69.07	जून-15	मई-18
21	खजुराहो और जबलपुर	रीवा- कटनी- जबलपुर-पैकेज-3	7	663	68.26	जून-15	मई-18

मध्य प्रदेश में एनएचएआई की चल रही परियोजनाएं

क्रम संख्या	लोकसभा क्षेत्र	परियोजना नाम	एनएच	स्वीकृत लागत / टीपीसी (रु. करोड़ में)	कुल लंबाई (किमी)	कार्य आरंभ की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
22	रीवा और सीधी	चुरहट बाईपास रीवा-सीधी अनुभाग	75 ई	769.73	15.5	अवार्ड	-
23	होशंगाबाद	हिरण नदी से सिंदूर नदी	12	617.17	64	अवार्ड	-
24	सिवनी	सिवनी मप्र/ महाराष्ट्र सीमा	7	730.08	28.73	अवार्ड	-
25	गुना और ग्वालियर	ग्वालियर-शिवपुरी	3	1055	125.3	मई-13	अप्रैल-18
26	ग्वालियर	वालियर-शिवपुरी (मोहन टाउन पोर्टियन)	3	22.89	4	मई-18	नवबर-1

सैद्धांतिक मंजूरी वाले घोषित एनएच

क्रम संख्या	विस्तार	लगभग लंबाई 30/11/2017
1	महाराष्ट्र में एदलाबाद के नजदीक एनएच -6- बुरहानपुर - बोरगांव-छैगांव माखन - देशगांव - बोरवाहा-इंदौर-उज्जैन -आगर और राजस्थान में झालावाड़ में एनएच -12 के साथ जंक्शन में समापन (एमपी = 3 9 - 1 किमी की लंबाई; महाराष्ट्र = 15 किमी; राजस्थान = 42 किमी)	376.00
2	अलीराजपुर-कुक्षी-बड़वानी	76.00
3	देशगांव-चेगांव माखन	9.00
4	खंडवा-आशापुर	41.00
5	सिवनी-बरघाट-बालाघाट	89.00
6	गोंदिया- बालाघाट (लंबाई = 45 किमी, मप्र= 24, महाराष्ट्र= 21)	24.00
7	शहडोल-ब्योहारी- रीवा	170.00
8	बरन-मंगोल- श्योपुर (कुल लंबाई= 80 किमी, मप्र= 37, राजस्थान= 43)	37.00
9	आशापुर-हरदा	72.00
10	खातेगांव-नसरुल्लागंज-इछवार-झरखेड़ा	130.00
11	बीना- मेहलुआ चौराहा	23.00
12	बांग्ला तिराहा- अशोक नगर	35.00
13	धार-नागदा-रतलाम-मंदसौर-नीमच- मप्र / राजस्थान सीमा के पास एनएच-क्ष्म के साथ जंक्शन (कुल लंबाई = 2 9 1 किमी, मप्र= 24 9- किमी, राजस्थान = 42 किमी)	249.00
14	गुना- अशोक नगर - थुबान- पिपरोद-चंदेरी - राजघाट के पास मप्र/ यूपी सीमा - ललितपुर - एनएस गलियारे-पानारी-राजवाड़ा-बनपुर (मप्र / यूपी सीमा) टीकमगढ़ एनएच -539 (कुल लंबाई = 295, मप्र = 240 , यूपी = 55)	240.00
15	भिंड - मिहोन	43.00
16	मप्र / राजस्थान सीमा- परन- फतेहगढ़- गुना (कुल लंबाई = - 9 8; मप्र = 76; राजस्थान = 22) और टीकमगढ़ (एनएच -539) - गुलगंज (एनएच -34) (लंबाई = 15 किमी)	91.00
17	राजस्थान / मप्र सीमा से लेकर मंदसौर- सीतामऊ	56.00
18	सिरोंज- मेहलुआ चौराहा	30.00

सैद्धांतिक मंजूरी वाले घोषित एनएच

19	मेहलुआ चौराहा- बीना- मालथौन	40.00
20	नागौद- कालिंजर- नारायणी ने बांदा और चित्रकूट के बीच एनएच -35 के साथ समापन (कुल लंबाई = 87 किमी, मप्र = 56 किमी, यूपी = 31 किमी)	56.00
21	टिमरनी- होशंगाबाद- गाडरवाड़ा-करेली (लंबाई = 231 किमी) और नरसिंहपुर-शाहपुर (लंबाई= 56 किमी) में एनएच-59 के साथ जंक्शन	287.00
22	मप्र / महाराष्ट्र सीमा- खंडवा-मुंडी- पुनासा- सतवास कन्नोड- आष्टा और ज़ीरपुर- मचलपुर- सोयत	209.00
23	चित्रकूट से मैहर (लंबाई = 127)	87.00
24	मध्य प्रदेश= 125 (87 + 38); यूपी = 2	38.00
25	एनएच -59 पर चपड़ा से हाटपिपलिया, नेवारी, बडोदा, देवास पर एनएच -59 (ए) के साथ शुरूआत	57.00
26	पिपरिया- बरेली- सिलवानी- गैरतगंज (बरेली-बटेरा को छोड़कर जो मौजूदा एनएच-45 का हिस्सा है)	105.00
27	राहतगढ़- खुरई- खिमलासा	48.00
28	कटनी-ब्यौहारी-मझौली के साथ बरगंवा जक्शन तक एनएच-75	329.00
29	एनएच-34 में दमोह-हटा-सिमरिया तक सड़क विस्तार	77.00
30	एनएच-39 में पन्ना-अजयगढ़ होकर कालिंजर तक सड़क विस्तार	51.00
31	एनएच-47 में बाग से सरदारपुर तक सड़क विस्तार	58.00
32	इंगोरिया से अनहेल तक सड़क विस्तार	24.00
33	एनएच-543 के पास चाबी से शाहपुर, उमरिया, ताला, जयसिंहनगर से मप्र-छत्तीसगढ़ सीमा तक सड़क विस्तार	206.00
34	एनएच-44में डबरा से ज़ितरवारा, नरवारा, सतनवाड़ा होकर एनएच-552 तक विस्तार	185.00
35	जबलपुर-कटंगी-जबेरा-नोहटा-दमोह	84.20
36	थांदला-लिमडी	33.20
37	सरदारपुर-बदनवार	43.00
38	बहरिया-गढाकोटा	40.00
39	सेमरिया-अमानगंज (पैकेज-2)	20.00
40	अमानगंज-पन्ना	38.00
41	गढाकोटा-दमोह	32.00
42	दमोह- कुहारी (शहर के हिस्से को छोड़कर 4.00 किमी, जिसमें बाईपास 13.00 किमी भी शामिल है।) -लारिया-कटनी	107.40
43	उन्हेल-नागदा-जावरा	66.23
44	छिंदवाड़ा-परासिया-तामिया-मटकुली	108.00
45	खिमलासा-मालथौन	20.59
46	कुक्षी-बाग	20.00
47	बदनावर-पेटलावद-थांदला	78.00
48	मध्य प्रदेश में रायपुरा-पटलवाड़-बमिया-रतलाम.	70.00
49	उत्तर प्रदेश में मऊ के पास एनएच-35 के साथ शुरू होने वाला राजमार्ग, मध्य प्रदेश में शहडोल के पास एनएच-43 के साथ डभौरा, सिरमौर, रीवा ब्यौहारीसे जुड़ा हुआ है।	164.10
50	मध्य प्रदेश में अंजद-जूलवानिया	29.60
51	इलाहाबाद से निकल -कोराँव -द्रमंदगंज- हलिया- अवधधाम-पिपरा- मनीगढ़- करोंडिया-बागदरा-चितरंगी-सिंगरौली मप्र में बैढ़न के पास मप्र (कुल = 176 किमी, उप्र= 104 किमी, मप्र = 72 किमी)	72.00
52	मंदसौर से प्रतापगढ़,धरियावाड़, सलूबर होकर एनएच-927 (ए) में डूंगरपुर के पास तक (राजस्थान में लंबाई=171 किमी, मप्र=11 किमी)	11.00

सैद्धांतिक मंजूरी वाले घोषित एनएच

53	कवई के पास एनएच -752 से छबरा को जोड़ने और सदा कॉलोनी के पास एनएच-46 में समाप्त होने (राजस्थान में लंबाई= 45 किमी, मप्र= 17 किमी)	17.00
54	अमरावती- (नंदगांव) - मोर्शी-वारुद- पंढरना (महाराष्ट्र में लंबाई = 85.67 किमी = 171 किमी; मप्र=10 किमी)	10.00
55	करंजी- यवतमाल- अमरावती- अचलपुर- सेनादोह- धर्नी-बुरहानपुर-खंडवा (महाराष्ट्र में लंबाई = 403 किमी, मप्र= 65 किमी)	65.00
56	अजंता- बुलढाणा- खमगांव- शेगाव- अकोट-देवरी- अंजांगन- परातवाद- बैतूल (महाराष्ट्र में लंबाई = 219- किमी, मप्र= 65 किमी)	65.00
57	मुलताई-वारुद-हतुरना-आशा-अरवी-रोहणा-पुलगांव-वर्धा (महाराष्ट्र= 150 किमी, मप्र= 21 किमी)	21.00
58	एनएच -6 विसारवाड़ी-नंदुरबार-शाहदाह-खेतिया-खरगोन-सेंधवा-एनएच -3 (महाराष्ट्र = 153 किमी; मध्य प्रदेश = 53 किमी)	53.00
59	करंज-लोहारी-सवाना-घोगरा-भारिगी-शाजापुर-पसोड-पिप्लागांव (महाराष्ट्र= 102 किमी, मप्र= 8 किमी)	8.00
60	जैसिंहनगर मप्र- भरतपुर छत्तीसगढ़ में (मप्र= 32 किमी, छत्तीसगढ़=18 किमी)	32.00
61	कोंची-रतनपुर-कोंची- कबीर चबूतरा मार्ग (मप्र= 26 किमी, छत्तीसगढ़= 84 किमी)	26.00
62	बलोद-दुर्ग-धामदा-गंदाई (मप्र= ख किमी, छत्तीसगढ़ = क- किमी)	2.00
63	झिरका फिरोजपुर (हरियाणा) - पहदी-नगर- महुवा- हिण्डौन - करौली- नंदरेल-मुहाना (एनएच -46 पर मप्र) (कुल लंबाई = 312 किमी, हरियाणा = 15 किमी, राजस्थान = 210 किमी, मप्र = 87 द्मद्व)	87.00
64	कोटा-रावतभाटा--सिंगोली-रतनगढ़-मोरवन-मनसा-नारायणगढ़-पिप्लिया मंडी-मंदसौर (राजस्थान = 68 किमी, मप्र= 115 किमी)	115.00
	कुल	**5186.32**
	सैद्धांतिक मंजूरी से एनएच घोषित किया गया	**363.00**
	वर्तमान में सैद्धांतिक मंजूरी से घोषित एनएच लंबाई	**4823.32**
65	देवास - अलहदा खेडी	109.00
66	पांडा कला- भोपाल	17.00
67	कोल्हू खेडी, भोपाल - भौरी बाईपास	10.20
68	सागर - राजखेडी	12.90
69	इंदौर - बंगाली चौराहा	8.20
70	बहेरिया गदगद - दमोह	70.30
71	दमोह - समन्ना	6.10
72	समन्ना-कुहारी	46.80
73	कुहारी- बरवाला	15.40
74	बरवाला-कटनी	44.00
75	मकानी- इंदौर	30.40
	कुल	**370.30**
76	इंदौर से खंडवा सैद्धांतिक मंजूरी से एनएच घोषित ओमकारेश्वर तक	12.00
77	सतना- कोटर-सेमरिया- एनएच 35 के पास गोदाहा (51 किमी) और जवा-शंकरगढ़ के पास (कुल लंबाई = 49 किमी; मप्र = 45 यूपी = 4)	96.00
	कुल	**108.00**
	कुल	**5664.62**

प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग

सड़क की कहानी

राष्ट्रीय राजमार्ग में प्रगति का नया दौर

राष्ट्रीय राजमार्ग का विकास हुआ तेज

राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे की लंबाई में वृद्धि

राष्ट्रीय राजमार्ग लंबाई
91,287 किमी
वर्ष 2010-2014

राष्ट्रीय राजमार्ग लंबाई
1,26,350 किमी
वर्ष 2014-2018

नए राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण

पिछले 4 साल में 86,371.5 नए और सैद्धांतिक राष्ट्रीय राजमार्ग बनाए गए हैं।

नए राष्ट्रीय राजमार्ग
20,353.2 किमी
वर्ष 2010-2014

नए राष्ट्रीय राजमार्ग
20,353.2 किमी
+
सैद्धांतिक मंजूरी वाले एनएच की लंबाई
51,980 किमी
कुल लम्बाई
86,371.5 किमी
वर्ष 2014-2018

सड़क की कहानी

राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में तेजी

पिछले 4 साल में 2–4 किमी से 28 किमी प्रतिदिन राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण दक्षता में वृद्धि की गई।

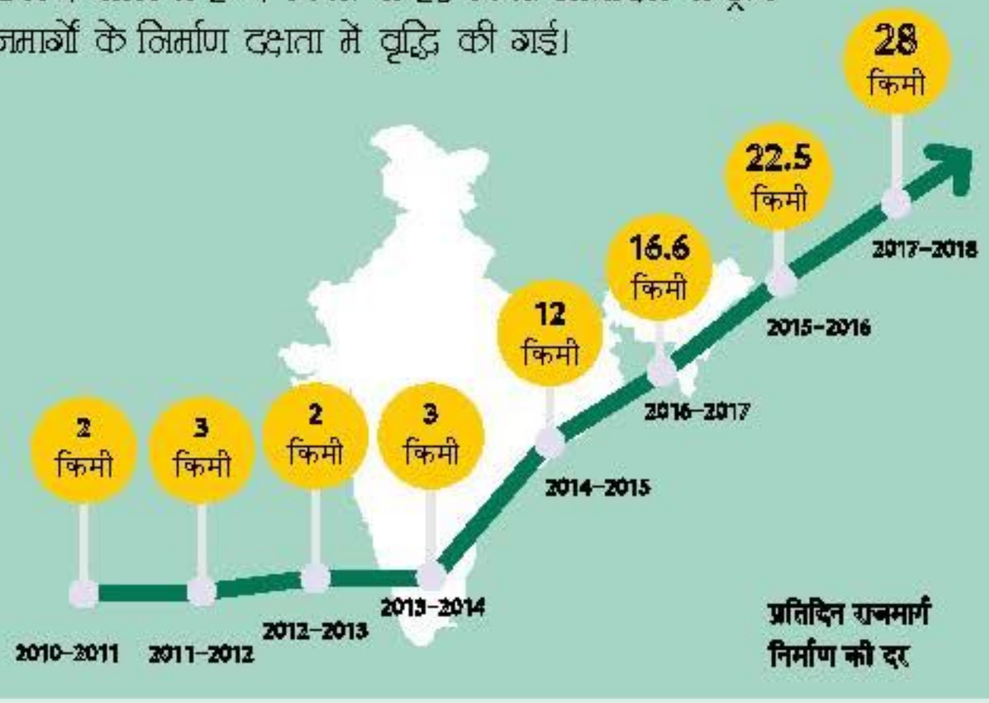

सड़कों का निर्माण

4 वर्षों में सड़क क्षेत्र में 3 लाख करोड़ रुपये का निवेश
सड़क निर्माण कार्य में 158% की महत्वपूर्ण वृद्धि

वर्ष 2010-2014
19,444 किमी
कुल लागत 1.16 लाख करोड़

वर्ष 2014-2018
28,532 किमी
कुल लागत 3 लाख करोड़

अवार्ड किए गए काम

100% वृद्धि के साथ अवार्ड सड़क पर खर्च की जाने वाली लागत 4.68 लाख करोड़ रुपए

वर्ष 2010–2014

राष्ट्रीय राजमार्ग लंबाई
25,609 किमी

कुल लागत
1.62 लाख करोड़

वर्ष 2014–2018

राष्ट्रीय राजमार्ग लंबाई
51,075.32 किमी

कुल लागत
4.68 लाख करोड़

सेंट्रल रोड फंड के तहत त्वरित विकास

सेंट्रल रोड फंड (सीआरएफ) कार्यों की लागत में 207.6% की महत्वपूर्ण वृद्धि

वर्ष 2010–2014

935
परियोजनाओं

कुल लागत
8,613.51 करोड़

2,876 परियोजनाओं

कुल लागत 48,186.57 करोड़

वर्ष 2014–2018

भारतीय परिवहन क्षेत्र में सुधारात्मक पहल

2014–2018 में महत्वपूर्ण प्रयास

पिछले चार वर्षों में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्गों पर विभिन्न तरह की अच्छी कोशिश की गई है। जिसमें पारदर्शी प्रक्रिया, सुदूर क्षेत्रों को मुख्य मार्ग से जोड़ने, सड़क दुर्घटना में कमी लाने; श्रमिकों को प्रशिक्षण के साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए गए हैं।

- **मोटर वाहन (संशोधन) विधेयक, 2017: पारदर्शिता लाने, भ्रष्टाचार को कम करने**
- **ई-टोल: पारदर्शिता सुनिश्चित करने, फास्टैग प्रणाली, समय-ईंधन की बचत, टोल प्लाजा में लंबी कतारों को कम करने**
- **ई-रिक्शा: मानव को मानव द्वारा ढोने की अमानवीय प्रथा को खत्म करने तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने**
- **एलएमवी और एलसीवी ड्राइवरों के लिए वाणिज्यिक लाइसेंस की आवश्यकता से छूट**
- **हर जिले में ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर खुलेगा, 22 लाख कुशल चालकों की कमी दूर होगी**
- **2017 तक सड़क दुर्घटनाओं से मौत में 0.2% – 15% कमी**
- **सड़क दुर्घटना कम करने के लिए वार्षिक सुरक्षा योजना**
- **सड़क दुर्घटना के पीड़ितों की मुआवजा राशि बढ़ाकर 5 लाख रुपए की गई**
- **सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एनजीओ के साथ भागीदारी करना**

देश में प्रदूषण की बढ़ रही समस्या को हल करने के लिए ग्रीन ईंधन का विकल्प अपनाने का रास्ता निकाला गया है। इसके लिए बैट्री चालित, इलेक्ट्रिक वाहन पेश किए गए हैं। वाहनों के प्रदूषण उत्सर्जन मानकों को अपग्रेड किया गया है। जैव ईंधन बी –100, फ्लेक्स-ईंधन ई –85 या ई –100 और इथेनॉल ईडी –95, मेथनॉल एम –15 या एम –100 और मेथनॉल एमडी-95 के साथ बीएस मानदंड मानकीकृत किए गए हैं। भारत में 15% मेथनॉल मिश्रण कर लगभग 31.9 मिलियन टन कच्चे तेल को पेट्रोलियम पदार्थों में बदला जा सकता है। कच्चे तेल की कीमत 54 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहती है। इससे स्वच्छ ऊर्जा जैव ईंधन के उपयोग से ईंधन लागत में कमी आएगी। स्वच्छ गैसोलीन की तुलना में, एम –15 सीओ और एचसी उत्सर्जन को 40% कम कर देता है। जैव ईंधन भारत में वाहन प्रदूषण के स्तर को कम करने में मदद करेगा।

एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम वाहन और यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करना

वाहनों की फिटनेस की जांच के लिए आदर्श स्वचालित केंद्र स्थापित करना

बस स्टैंडों के आधुनिकीकरण का कार्यक्रम

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए नियमों का सरलीकरण

वाहनों की स्पीड वैश्विक प्रथाओं के अनुसार 100 किमी प्रति घंटा से 120 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाई गई

टैक्सी नीति के लिए नए दिशानिर्देश बनाए गए, जिससे ट्राफिक जाम और दुर्घटना को रोका जा सके

भारत में पहली बार पुलों की गणना की गई है। इसके लिए पुल प्रबंधन प्रणाली (आईबीएमएस) का गठन किया गया। पिछले तीन साल में देश के अंदर स्थित सभी पुलों की गणना की गई और उनकी स्थिति का निरीक्षण कर पूरी जानकारी संग्रहित की गई है। देश में अभी तक 1,72,519 पुलों की पूरी जानकारी एकत्र की जा चुकी है। ये पुल कब बने, इस समय किस स्थिति में हैं। उनकी मरम्मत का काम कब होना चाहिए। इससे उन पुलों के रखरखाव और पुर्ननिर्माण का काम आसानी से हो सकेगा।

देश में सड़क दुर्घटना को कम करने के लिए कई तरह के अन्य प्रयासों के साथ सबसे ज्यादा दुर्घटना वाली जगहों की पहचान की गई है। देश में 789 ब्लैक स्पॉट की पहचान कर उसमें सुधार का काम किया जा रहा है। कुछ जगहों की सड़क की डिजाइन में बदलाव कर सुधारा जा रहा। सूचना चिंह लगाए जा रहे हैं। 265 ब्लैक स्पॉट में सुधार का काम किया जा चुका है।

318 ब्लैक स्पॉट को सुधारने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। पहचान की गई सड़कों में राज्य सरकार की सड़कों को दुर्घटनाविहीन बनाने का विभिन्न चरणों में हैं। राज्य सरकार की सड़कों पर या अन्य एजेंसियों के साथ 139 ब्लैक स्पॉट में 67 ब्लैक स्पॉट पर अलग-अलग काम तेजी से चल रहा है।

मंज़िलें अभी और भी हैं

साफ नीयत

सही विकास

www.morth.nic.in
www.nhai.org

www.facebook.com/MoRTHIndia
www.facebook.com/NHAISocialmedia

www.twitter.com/MORTHIndia
www.twitter.com/NHAISocialmedia

www.spreadooo